ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

7-09-2024

कोई भी इच्छा, अच्छा कर्म समाप्त कर देती है इसलिए इच्छा मात्रम् अविद्या बनो। ऐसा ज्ञानी नहीं बनना कि यह मैंने किया तो मुझे मिलना ही चाहिए, मेरा कुछ इन्साफ (न्याय) होना चाहिए। कभी भी इन्साफ माँगने वाले नहीं बनना। किसी भी प्रकार के माँगने वाला स्वयं को तृप्त आत्मा अनुभव नहीं करेगा।

Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

Any desire finishes your good action. Therefore, become ignorant of the knowledge of desire. Do not be a gyani who thinks, “I have done this, and so I should receive this. I should get some justice.” Never become one who asks for justice. Anyone who asks for anything in any way will not experience being a contented soul.